25 सैकेंड में मिलेगी दूध में मिलावट की जानकारी

पिलानी. सीरी संस्थान में तकनीक का स्थानांतरण करते अधिकारी।

पिलानी. केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के वैज्ञानिकों की ओर से दूध में मिलावट की जांच करने के लिए विकसित की गई तकनीक एक निजी कम्पनी को गुरुवार को स्थानांतरित कर दी गई।

संस्थान में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में सीरी संस्थान के निदेशक डा. डीके असवाल एवं गुरुग्राम स्थित क्यूबॉयड आईओटेक कम्पनी के अधिकारियों के साथ एक समझौते के तहत तकनीक कम्पनी प्रतिनिधियों को सौंपी गई। कम्पनी समझौते के तहत तकनीक के उपकरणों का निर्माण कर उपभोक्ताओं के लिए मुहैया करवाए जाएंगे।

गौरतलब है कि पिछले दिनों संस्थान के वैज्ञानिकों ने फास्ट ट्रैक ट्रांसलेशन प्रोजेक्ट के तहत दूध की जांच के लिए 'क्षीर स्कैनर' नामक उपकरण का निर्माण किया था। यह उपकरण दूध में मिले नमक, यूरिया, कॉस्टिक सोडा, अमोनियम सल्फेट आदि की जांच करता है। मात्र 20 से 25 सैकेंड में उपभोक्ताओं को मिलावट की जानकारी देता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि किसान के घर से निकलने के बाद विभिन्न माध्यमों से होता हुआ दूध उपभोक्ता तक पहुंचता है। ऐसे में किसी भी स्थान पर मिलावट की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। इस तकनीक से दूध उत्पादन केन्द्र, दूध संग्रहण केन्द्र ,परिवहन आदि दूध सप्लाई केन्द्रों पर दूध जांच का उपकरण लगाया जाएगा। जिस में दूध में किसी स्तर पर मिलावट की गई है इस की जांच संभव हो सकेगी। दूध में मिलावट करने वाले की पहचान करना भी आसान होगा।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने बताया कि क्षीर स्कैनर को 27 सितम्बर 2017 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने राष्ट्र को समर्पित किया था। गुरुवार को संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में क्यूबॉइड आईओटेक प्रतिनिधि स्मृति उत्कर्ष, रामी काचन , राहुल अग्रवाल,सीरी संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. एसए अकबर,समन्वयक पीसीएस पंचारिया सहित संस्थान के अधिकारियों ने भाग लिया।